आपका स्वागत करता है

Welcomes You

उष्ण लहर (लू) से बचाव

SAFETY FROM HEAT WAVE

प्रस्तुति

Presentation

पोषण लाल देवांगन, मौसम विज्ञानी 'बी' Poshan Lal Dewangan, Met. 'B'

मौसम केंद्र रायपुर (छ.ग.) Met. Centre, Raipur (C.G.)

भारत मौसम विज्ञान विभाग

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

संक्षिप्तिका (Overview)

- गरमी की रोचक बातें
- प्रस्तावना
- उष्ण लहर के मानदंड और निर्धारण
- उष्ण लहर से प्रभावित स्थल और जन-समूह
- उष्ण लहर से सामूहिक बचाव
- उपसंहार

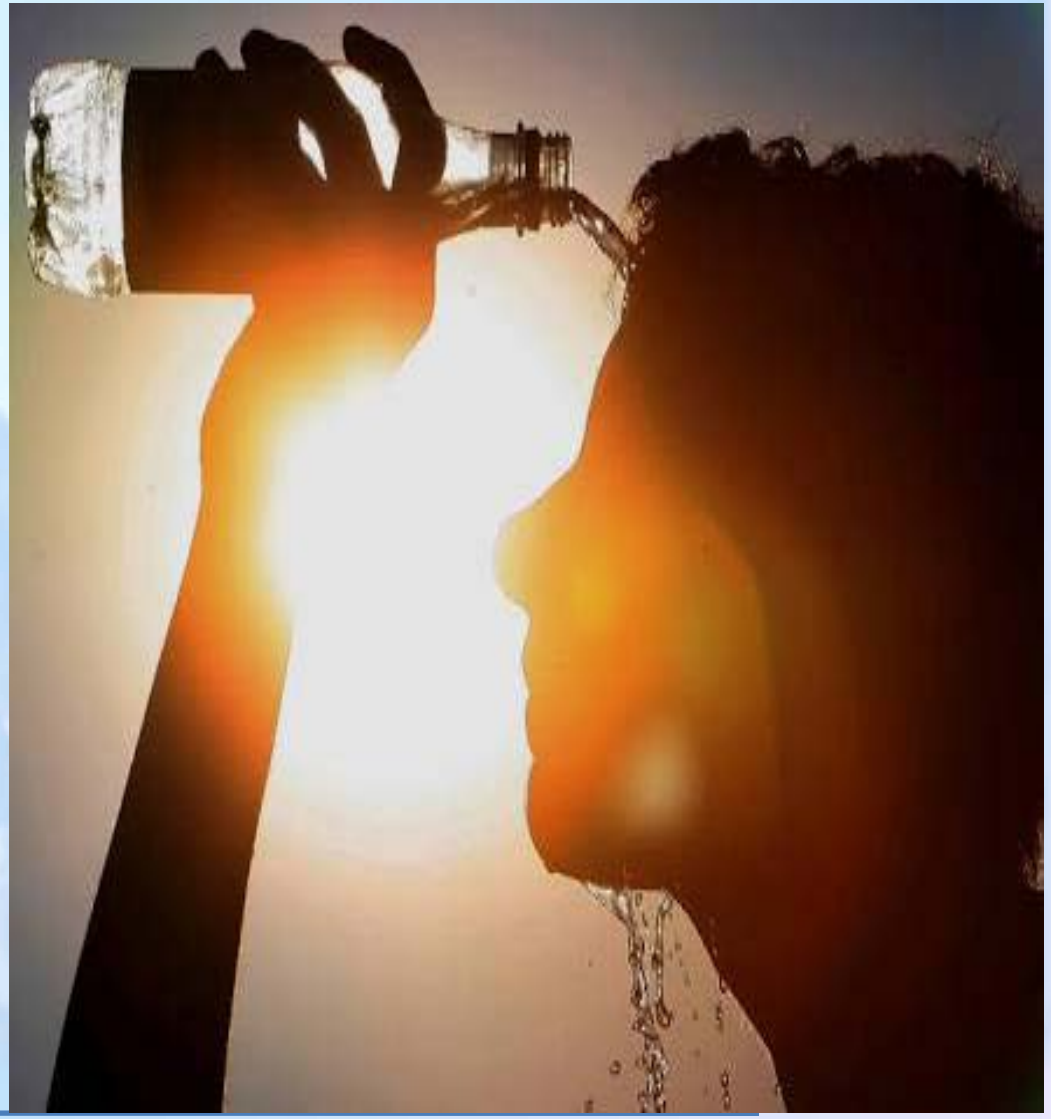

गरमी की रोचक बातें

ॐ सूर्याय नमः..
ॐ जल बचाय नमः
KG KADAM

अबकी बार 50 के पार
Facebook
बहनजी दूध गर्म करने की जरूरत नहीं, रास्ते में ही उबल गया है.. !!!
Neel

गरमी की रोचक बातें

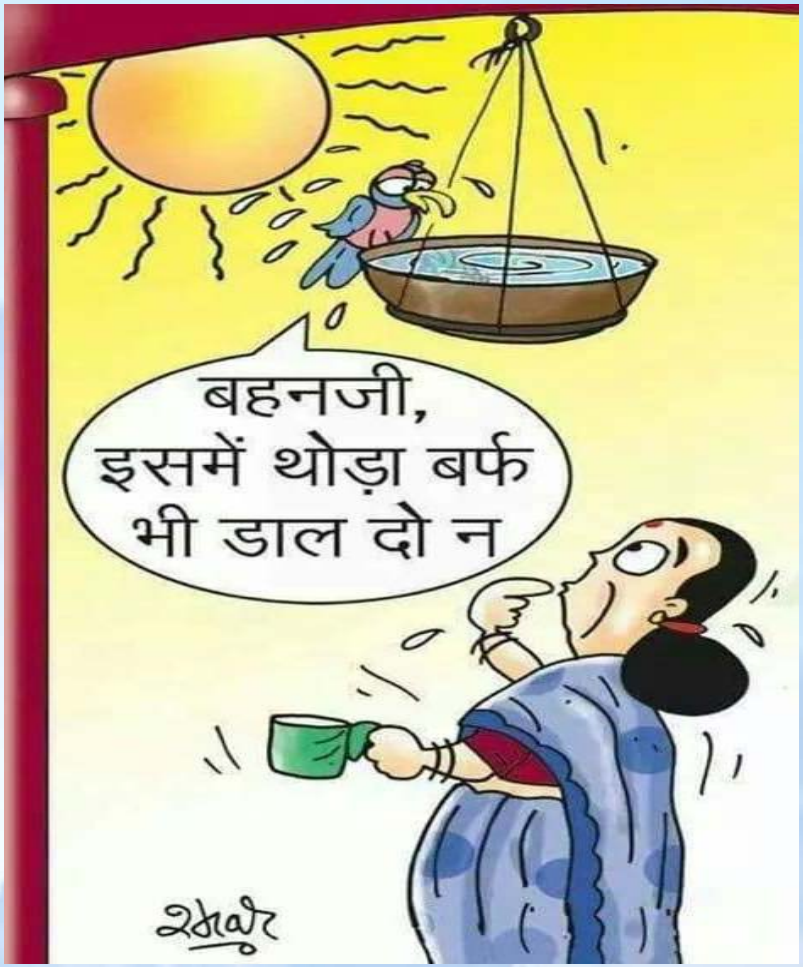

गरमी की रोचक बातें

पारा 50 डिग्री
के पास
कमबख्त..कूलर
के लिए भी कूलर
लगाना पड़ रहा
है!!
MASTAN SINGH

नही मान रहा
सूरज.....!!!
अब और क्या..
घर के अन्दर ही
घुसने का मुड है ??

गरमी की रोचक बातें

प्रभु
सही वक्त है;
एक बार फिर से
निगल लिजिये।

बहन जी! आप
पापड़ अन्दर ही सुखा
लें!! फिर मत कहना
मैंने भून डाले!!!

गरमी की रोचक बातें

अंतर्मन
पानी के लिए सड़क पर उतरे लोग
वे पानी के लिए सड़क पर क्यों उतरे ? कुआं में उतरना था न ?!

लू के देवता

प्रस्तावना Introduction

आज के वैज्ञानिक युग में जीवनशैली गतिमान और विज्ञान व तकनीकी से परिपूर्ण.

विज्ञान के आविष्कार से मानव जीवन शैली में सुगमता व सरलता के साधन.

सगी बहन तकनीकी द्वारा क्रियान्वयन से विज्ञान की सार्थकता पर चार चाँद.

प्रकृति की मार सहने, उस पर विजय हासिल करने या प्राकृतिक विषमताओं में भी कार्यक्षमता यथावत रखने और उसमें वृद्धि के लिए संसाधनों की प्रचुरता.

प्रस्तावना Introduction

उपग्रह आधारित आधुनिकतम जीपीएस प्रणाली, इलेक्ट्रानिक मोबाईल संचार माध्यम, सूचना एकत्रित करने के ड्रोनिंग प्रणाली, चिकित्सा के क्षेत्र में मशीनीकृत चिकित्सा व शल्य क्रिया,

यातायात के लिए आधुनिक साज-सज्जा व तेज रफ़्तार युक्त रेपिड ट्रांजिट प्रणाली, उत्तम कृषि के लिए आधुनिक बायोटेक्नालाजी आदि तकनीकी सुविधाओं से जीवनशैली में पर्याप्त सुगमता.

अब ड्रोन से होगी बाघों की निगरानी

भोपाल। जंगलों को उजड़ने से बचाने और बाघों की सुरक्षा के लिए विभाग अब ड्रोन से बाघों की निगरानी करेगा। 25 मार्च को वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया डब्ल्यूआईआई और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी एनटीसीए के विशेषज्ञों की देखरेख में पन्ना टाइगर रिजर्व में इसका परीक्षण किया गया विभाग को विशेषज्ञों की रिपोर्ट का इंतजार है।

प्राप्त जानकारी अनुसार बाघों के लगातार हो रहे शिकार व जंगलों में अवैध खनन और लकड़ी कटाई की निगरानी ड्रोन से की जाएगी। किसी ऊंचे स्थान में खड़े होकर रिमोट से ड्रोन को उड़ाकर बाघों पर नजर रखी जा सकेगी। विभाग के पास स्टाफ कम होने की वजह जंगल और जंगली जानवरों की हिफाजत में वन विभाग को दिक्कत आ रही है। इसलिए प्रदेश के जंगलों की देखरेख ड्रोन से करने का उपयोग करने की योजना तैयार की गई है,इसे टाइगर रिजर्व और अभ्यारणों में इसका उपयोग किया जाएगा। विभागीय सूत्रों का मानना है कि इससे न सिर्फ जंगली जानवरों की निगरानी ठीक से की जा सकेगी बल्कि जंगल में अतिक्रमण लकड़ी चोरी और अवैध उत्खनन की भी निगरानी हो जाएगी। गौरतलब रहे कि प्रदेश में वन क्षेत्रपाल उप वन क्षेत्रपाल वनपाल और वनरक्षक के 20670 में से 3635 प खाली है। विभाग ने ड्रोन की मदद से देवास में बाघ की निगरानी से नागदा में बाघ का मूवमें ड्रोन में कैद हो गया, विभाग ने यहां ड्रोन के साथ टीम तैनात की। जिसने बाघ की पू गतिविधि पर नजर रखी। ऐसे ही शंकरगढ़ किए जा रहे उत्खनन की निगरानी भी ड्रोन की गई। बताया जाता है कि पूर्वी अनमैं एरियल व्हीकल का उपयोग करने का प्रस्ता विभाग ने तैयार कर सरकार को भेजा है

प्रस्तावना Introduction

आज की आवश्यकता तकनीकी कौशलता और कठिनाईयों से लडने में सक्षमता की. इसमें सबसे बड़ी बाधा प्राकृतिक आपदाओं से.

शीत लहर की ठंडी, लू के थपेड़े, बाढ या सूखापन की त्रासदी, चक्रवात व आंधी-तूफ़ान का तांडव, भूकंप, ज्वालामुखी, सुनामी आदि की दुर्दांत घटनाओं से मानव हतोत्साहित.

प्रस्तावना Introduction

मानव ने भी कडकडाती ठण्ड, भीषण गर्मी, भारी वर्षा, चक्रवात/ भूकंप का तांडव, रेत या धूल की आंधी, हिमस्खलन, भारी बर्फबारी आदि प्राकृतिक आपदाओं से लडने भरपूर संसाधन तैयार कर ली है.

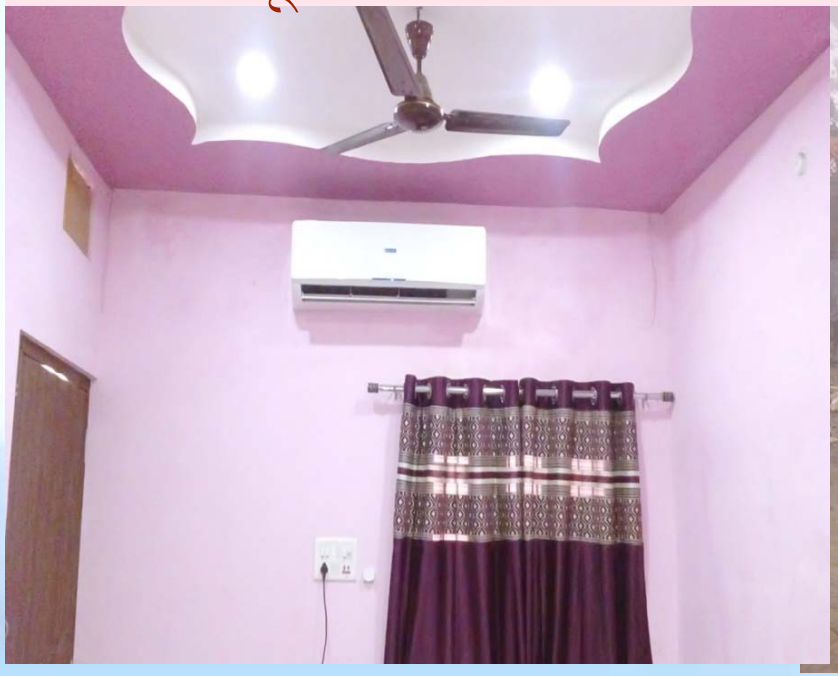

उष्ण लहर (लू)

इन्हीं प्राकृतिक आपदाओं में से एक है लू अथवा उष्ण लहर.

जन सामान्य की भाषा में सामान्य से अधिक तापमान की रौद्रता को लू की संज्ञा.

भिन्न-भिन्न भौगोलिक स्थिति के स्थानों में उष्ण लहर के लिए तापमान की न्यूनतम सीमा भी भिन्न-भिन्न.

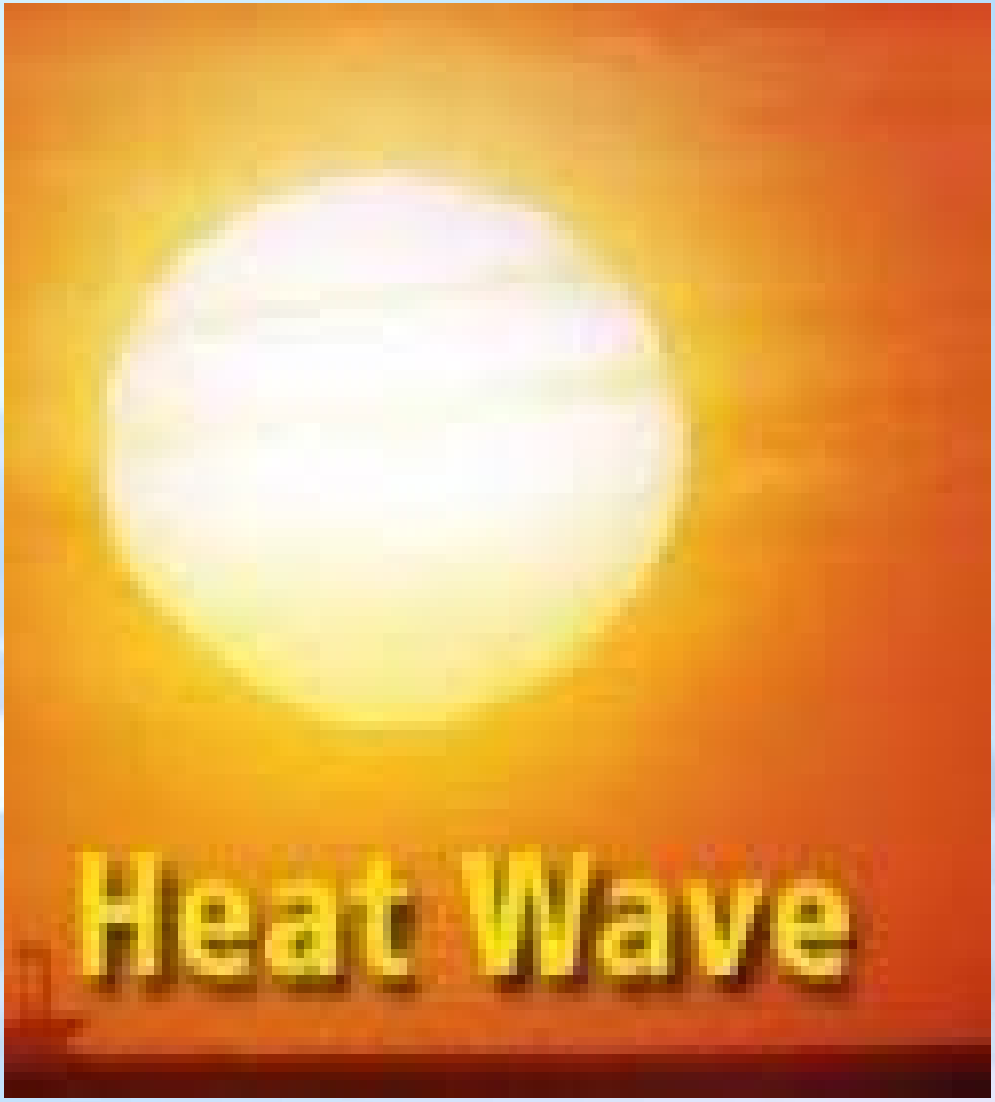

उष्ण लहर (लू)

गर्मी के दिनों में शीर्ष उत्तर-भारत, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण भारत के समुद्रतटीय क्षेत्रों के अलावा शेष भाग लू के थपेडों से सर्वाधिक कुप्रभावित.

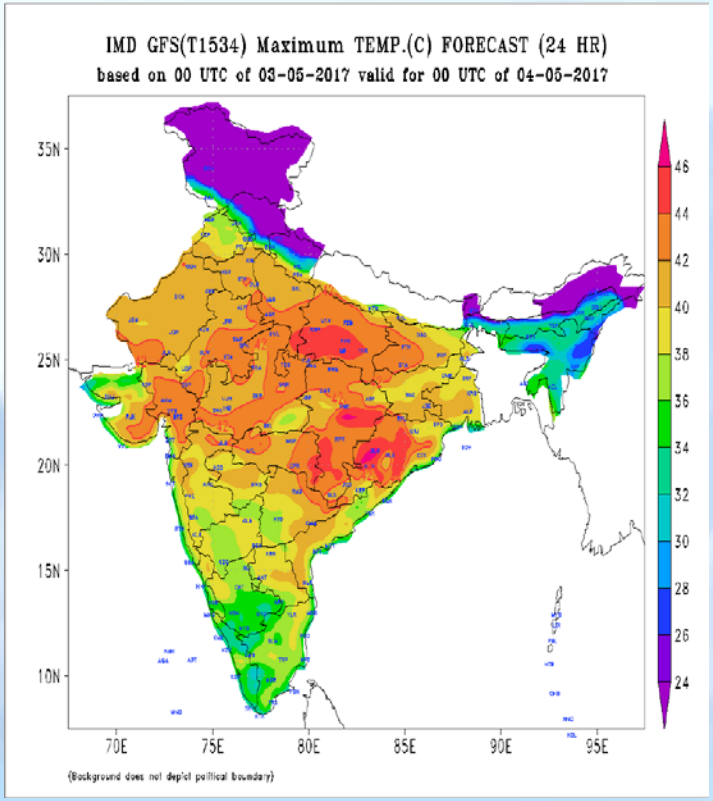

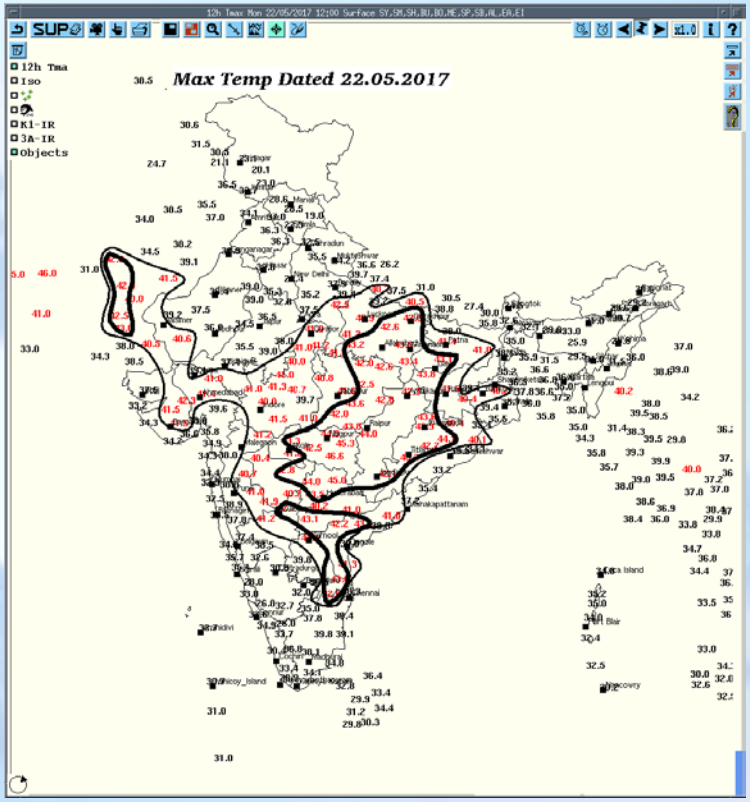

उष्ण लहर (लू)

तकनीकी रूप से लू या उष्ण लहर मौसम की ऐसी स्थिति जिसमें अधिकतम तापमान, सामान्य औसत तापमान से काफी अधिक.

भारत मौसम विभाग द्वारा उष्ण लहर तथा गर्म रात्रि के लिये मानदण्ड निर्धारित किये गये हैं .

मैदानी भाग में अधिकतम तापमान 40 डि.से. या अधिक, समुद्रतटीय क्षेत्रों में 37 डि.से. या अधिक तथा पहाड़ी क्षेत्र में 30 डि.से. या अधिक होने पर ही उष्ण लहर.

उष्ण लहर (लू) के मानदंड

क. अधिकतम तापमान का सामान्य से विचलन के आधार पर

उष्ण लहर – सामान्य से विचलन 4.5 से 6.4 डि.से.

भीषण उष्ण लहर – सामान्य से विचलन 6.4 डि.से. से अधिक

ख. वास्तविक अधिकतम तापमान के आधार पर : मैदानी क्षेत्र में

उष्ण लहर – वास्तविक अधिकतम तापमान >= 45 डि.से.

भीषण उष्ण लहर – वास्तविक अधिकतम तापमान >=47 डि.से.

ग. गर्म रात्रि : अधिकतम तापमान >=40 डि.से. पर ही निर्धारित

गर्म रात्रि - न्यूनतम तापमान का विचलन 4.5 से 6.4 डि.से.

अति गर्म रात्रि - न्यूनतम तापमान का विचलन >6.4 डि.से.

किसी क्षेत्र में कम से कम दो स्थानों पर लगातार दो दिनों तक अनुकूल स्थिति बनने पर ही उष्ण लहर निर्धारित

मौसम केन्द्र रायपुर METEOROLOGICAL CENTRE RAIPUR

मौसम आंकड़े METEOROLOGICAL DATA

15 May 2017

दिनांक

Seations Code	Normal		Dry Bulb Temp		Min. Temp. °C			Max. Temp. °C			RAINFALL mms.		Relative Humidity %			Wind Dir/Speed(kt	
	Max. Tmp	Min. Tmp	At 0830 Hr.	At 1730 Hr.	Actual	Chang in 24 hours	Dep. From normal	Actual	Chang in 24 hours	Dep. From normal	At 0830 Hr.	At 1730 Hr.	Max./Min	At 0830 Hr.	At 1730 Hr.	At 0830 Hr.	At 1730 Hr.
रायपुर 42874	41·5	27·6	34°8	44·0	29°9		+2·3	456	+2°	+4·1	0		47/16	33	17	270/08	
माना ए.पो. 42872	41·2	27·2	35°2	43·6	30°7		+3·5	455	+1·4	+4·3	0		46/14	33	14	270/12	
बिलासपुर 42782	41.9	27.2	36°2	43·6	28°0		+0·8	470	+1·5	+5·1	0		64/19	30	15	270/02	
पेंड्रा रोड 42779	39.0	25.1	37°0	41·4	28°0		+2·9	435	+1·6	+4·5	0		40/16	22	16	320/04	
अंबिकापुर 42693	39.2	24.6	33°4	40·2	25°7		+1·1	44·0	+2·2	+4·8	0		58/18	38	18	000/00	
जगदलपुर 43041	38.2	24.3	30°6	35°0	25°5		+1·2	395	+0·7	+1·3	0		80/37	69	46	230/02	

गरमी के दिनों में अपरान्ह में तेज धूप व लू का प्रकोप सर्वाधिक होता है जब भू-सतह से उत्सर्जित ऊर्जा (इन्फ्रारेड रेडिएशन) सर्वाधिक होती है .

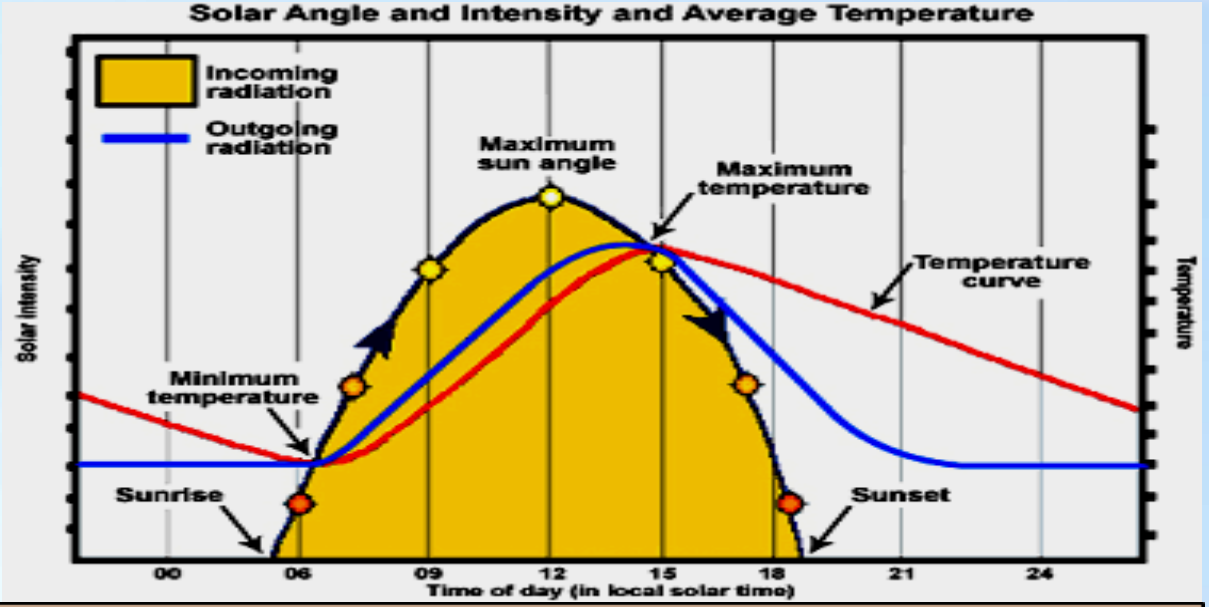

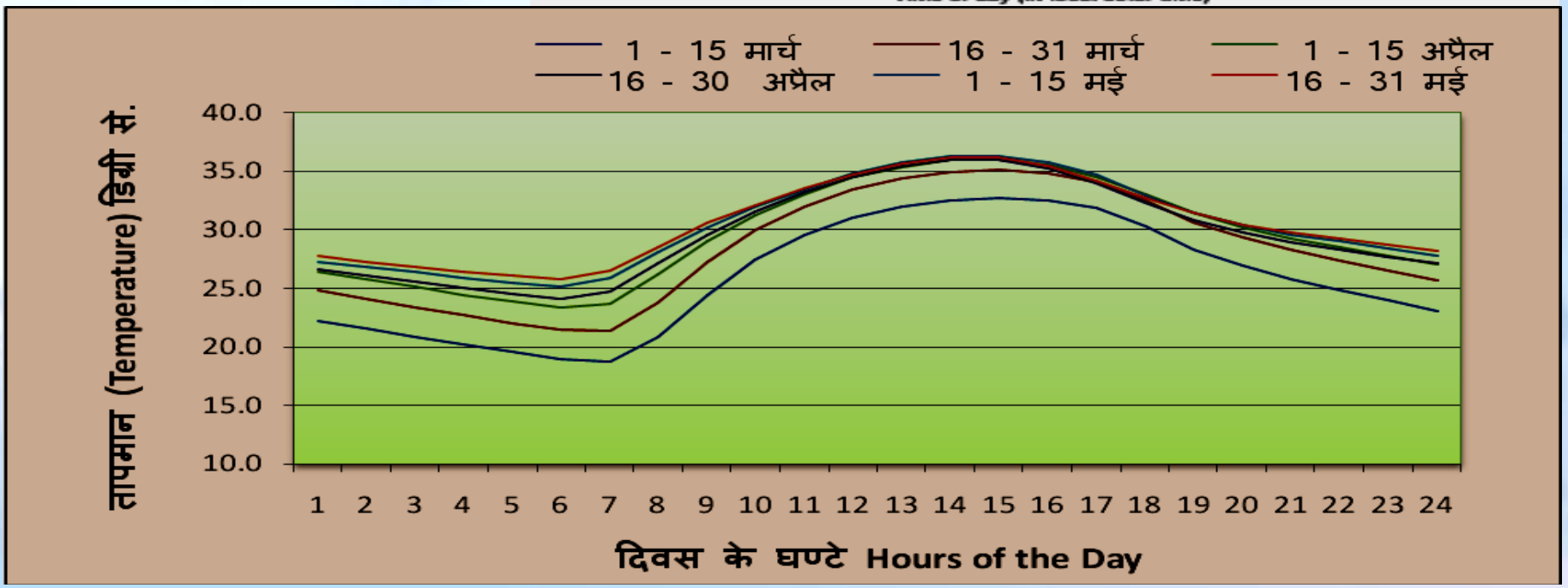

उष्ण लहर (लू) की गरमी से कुप्रभावित स्थल और जन-समूह

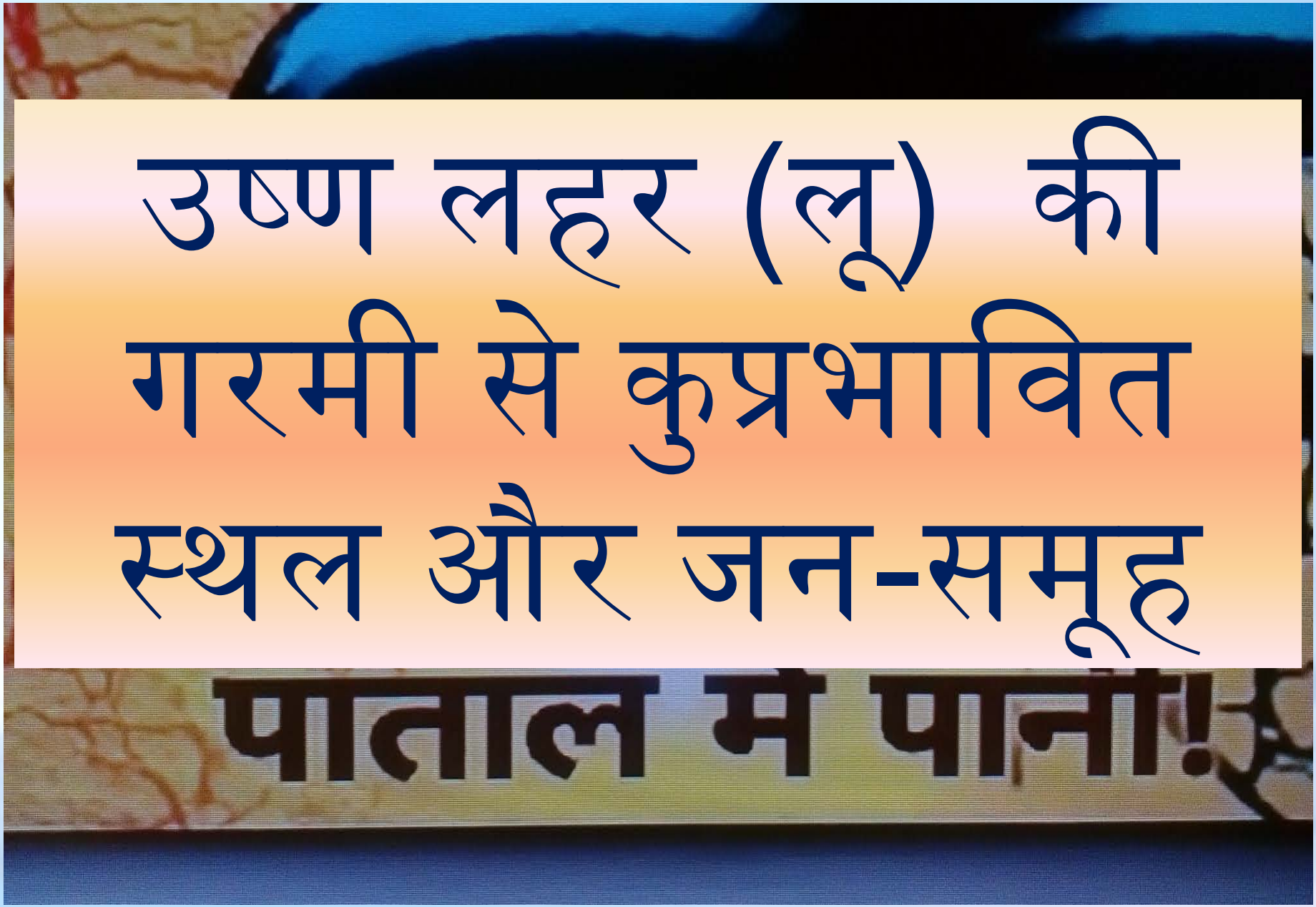

•सार्वजनिक यातायात के साधनों के इंतज़ार में ग्रामीण अंचलों के छोटे-छोटे रेलवे स्टेशनों व बस स्टैंड में यात्रीगण,

•शहरों में अवरुद्ध मार्ग में अवरोध खुलने के इंतज़ार में खड़े दुपहिया वाहन चालक,

•चौक-चौराहों पर सिग्नल के इंतज़ार स्थल पर अत्यधिक तापमान सहन करते दुपहिया चालक,

•रेलगाड़ी के साधारण या स्लीपर दर्जे के डिब्बों में प्रवेश करती गरम हवाओं में या साधारण बसों में खिडकियों से आती कड़ी धूप में यात्रा करते लोग,

•प्रशीतक रहित विभागीय वाहनों में शासकीय कार्य से यात्रा करते कर्मचारी .

लू की गरमी से कुप्रभावित स्थल

कल कारखानों में अत्यधिक गरम स्थानों पर या फील्ड में ड्यूटी करते शासकीय-अशासकीय कर्मचारी,

विभिन्न परिस्थितियों में सार्वजनिक स्थलों में प्रतीक्षारत आम जनता,

नक्सली इलाके में जवान: 45 डिग्री गर्मी, भूख-प्यास, मौत जैसे 7 सं

इतनी गर्मी में पानी नहीं, पेड़ के नीचे बम

लाइट नहीं रहती, काट लेते हैं सांप

कैंप में भी ड्यूटी, हमले का खतरा

घर बात नहीं होती, मां की मौत पर भी नहीं गए

महीने में 5 आईईडी मिलती

न पानी, न छतरी, तपती धूप में ट्रैफिक कंट्रोल कर रही पुलिस

शहर में ट्रैफिक कंट्रोल करने वाले पुलिस कर्मियों की बेहद कमी है। जो कर्मी पदस्थ हैं, उनके लिए भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। हालात यह है कि शहर के चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के पास धूप और पानी से बचने के लिए छतरी तक नहीं है। ऐसे में इन चौराहों पर ट्रैफिक कर्मियों को दिनभर धूप में झुलसना पड़ता है। इससे ट्रैफिक

चिलचिलाती धूप में बस का इंतजार

लू की गरमी से कुप्रभावित स्थल

साप्ताहिक बाजारों, ग्रामीण अंचलों के मेले, सामाजिक-राजनितीक रैलियों, फूटपाथ पर व्यवसाय करने वाले अन्त्यावसायी.

विद्यालयों में अध्ययन के लिए दोपहर में दूर-दराज गाँव से आते-जाते छात्र-छात्रायें,

ये ऐसे स्थान हैं जहां बड़ी संख्या में लोग कुछ समय तक ठहरते हैं और असीम गरमी की चपेट में रहते हैं.

इनमें से 80 प्रतिशत से भी अधिक लोग घरों या कार्य के स्थलों पर ठन्डे आरामदायक स्थानों में रहते हैं .

किन्तु विभिन्न कार्य के सिलसिले में उन्हें घर से बाहर लू की स्थितियों से दो-चार होना पडता है.

उचित खानपान के अभाव से शरीर में नमक व अन्य जल-प्रदायी तत्वों की कमी से विभिन्न बीमारियों का प्रकोप.

विभिन्न माध्यमों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार लू से मरने वालों की संख्या चिंताजनक.

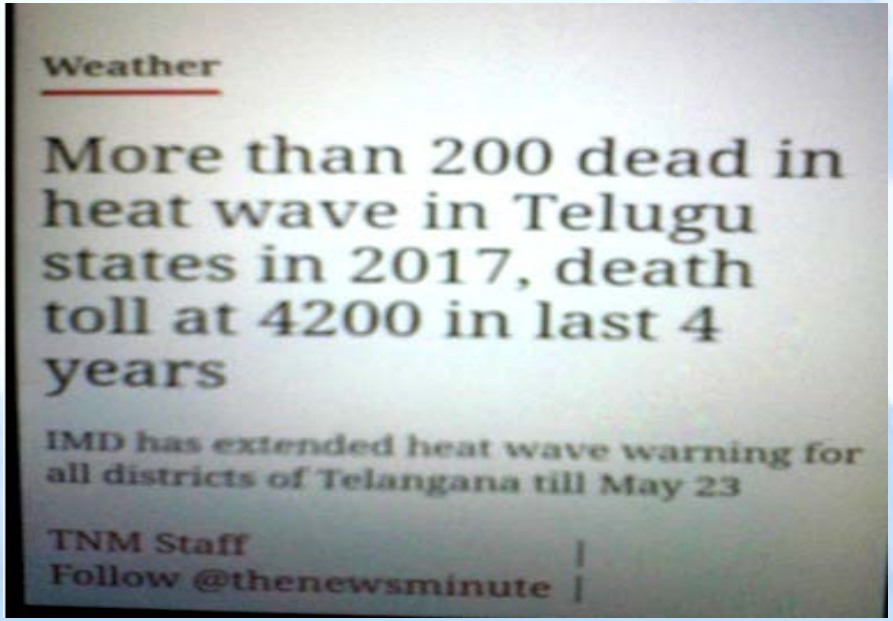

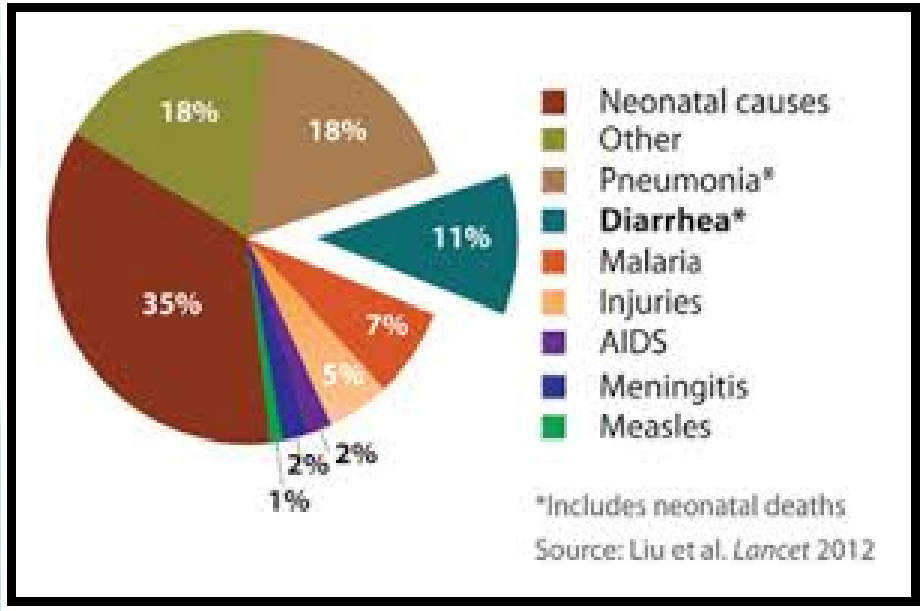

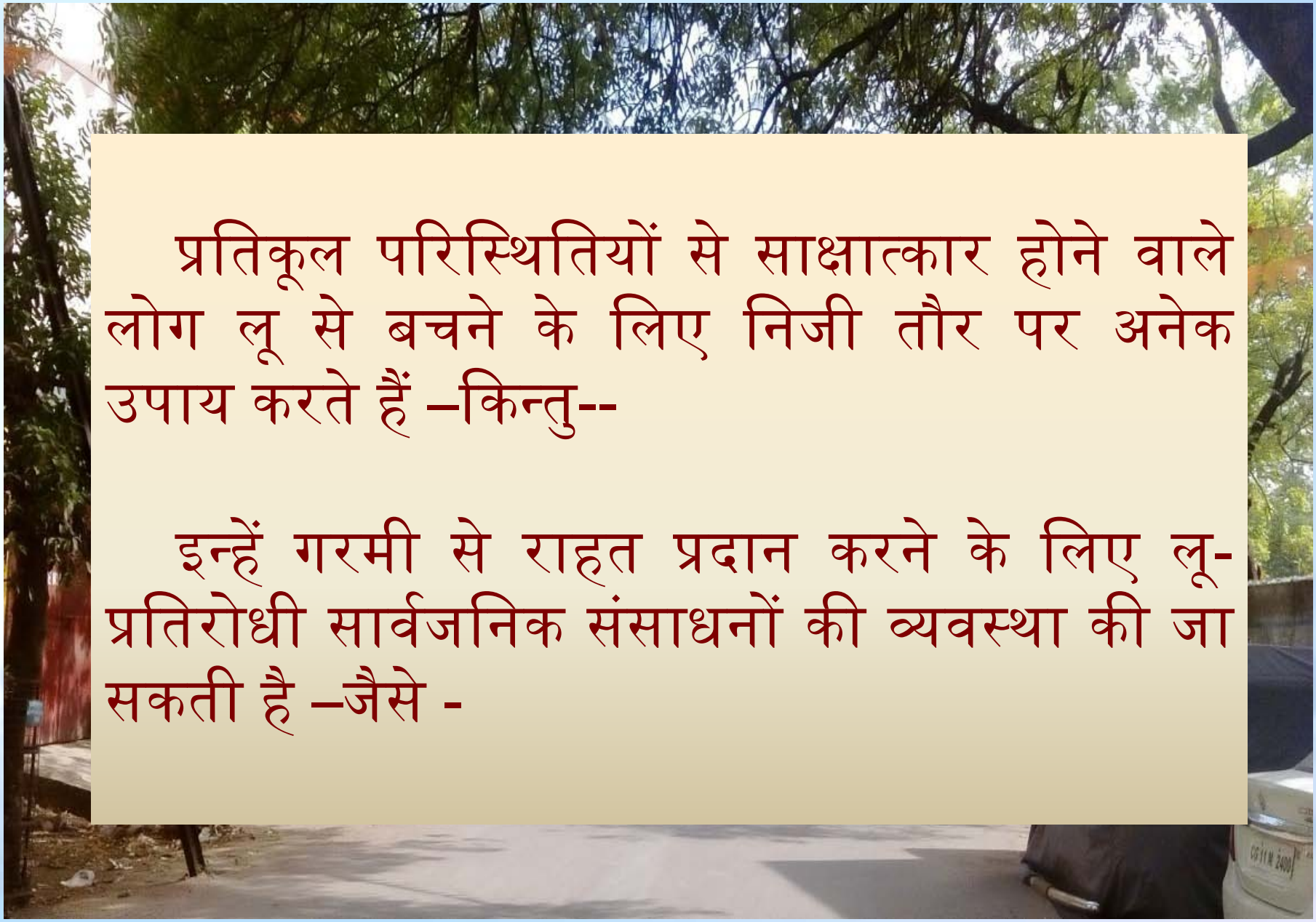

प्रतिकूल परिस्थितियों से साक्षात्कार होने वाले लोग लू से बचने के लिए निजी तौर पर अनेक उपाय करते हैं –किन्तु--

इन्हें गरमी से राहत प्रदान करने के लिए लू-प्रतिरोधी सार्वजनिक संसाधनों की व्यवस्था की जा सकती है –जैसे -

•ट्राफिक सिग्नल वाले चौक-चौराहों में सिग्नल के इंतज़ार के स्थल पर टोल प्लाजा की तर्ज पर ऊष्मारोधी शेड का निर्माण.

•रेलगाड़ी के साधारण दर्जे के डिब्बे, बसों, शासकीय वाहनों व सभी प्रकार के यात्री वाहनों के आवरण का निर्माण तथा खिडकियों का ढकाव पर्याप्त ठंडकतायुक्त ऊष्मारोधी पदार्थों से.

•ग्रामीण रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड व अन्य सार्वजनिक स्थलों में ऊष्मारोधी प्रतीक्षालयों की पर्याप्त उपलब्धता.

•साप्ताहिक बाजारों, मेलों आदि में दुकानदार को ग्राहकों के लिए ऊष्मारोधी पंडाल, शेड की व्यवस्था के आधार पर ही अनुमति.

•पेयजल रहित सार्वजनिक स्थलों पर सार्वजनिक शुद्ध व शीतल पेयजल की सुनिश्चित व्यवस्था.

• सामूहिक वृक्षारोपण अभियान चलाकर सभी सड़क के किनारों पर अधिक से अधिक घने व छायादार वृक्ष लगाया जाना.

•जहां आवश्यक न हो, दिहाड़ी मजदूरों, फील्ड कर्मियों, विद्यालयीन छात्र-छात्राओं की कार्य अवधि प्रातःकालीन रखा जाना.

न्यूज ब्रीफ

गर्मी की वजह से स्कूलों का समय बदला गया

रायपुर| राज्य में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। एक पाली में लगने वाले प्राइमरी और मिडिल स्कूल अब सुबह सात से साढ़े नौ बजे तक लगेंगे। दो पालियों में लगने वाले स्कूलों में मिडिल सुबह सात से साढ़े नौ बजे तक और हाई व हायर सेकेंडरी स्कूल साढ़े नौ से साढ़े बारह बजे तक लगेंगे। यह आदेश 19 से लागू होगा।

गर्मी: स्कूल अब 9.30 बजे तक

रायपुर. भीषण गर्मी को देखते हुए राज्य शासन ने एक बार फिर स्कूल का समय बदल दिया है. अब स्कूल प्रातः 7 से 9.30 बजे तक ही लगेंगे. नई व्यवस्था के तहत दो पाली वाले स्कूल प्रातः 7 से 9.30 बजे तक प्राइमरी और मिडिल स्कूल तथा 9.30 बजे से 12.30 बजे तक हाई और हायर सेकंडरी स्कूल संचालित होंगे. आदेश 19 अप्रैल से लागू होगा और 30 अप्रैल तक रहेगा. वर्तमान में स्कूल का समय प्रातः 7 से पूर्वान्ह 11 बजे तक है.

•शासकीय छात्र-छात्राओं के लिए निजी विद्यालयों की तर्ज पर आवागमन के साधनों व विद्यालय में शीतल कमरों की व्यवस्था.

गरमी में आग लगने की संभावना अधिक, अतएव भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों, वाहन पार्किंग अदि में अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था किया जाना

DB 19 April 2017

•कल कारखानों में अत्यधिक गरम स्थानों पर तैनात कर्मियों, शासकीय-अशासकीय फील्ड कर्मियों के लिए पर्याप्त ऊष्मारोधी वस्त्र और संसाधनों की भरपूर व्यवस्था.

•रेलवे प्लेटफार्म, बस स्टैंड, कृषि उपज मंडियों, जन सम्पर्क के शासकीय कार्यालयों या अन्य स्थानों के खुले विश्रामालयों में पानी की हल्की फुहार से ठंडकता की व्यवस्था.

•कैरोसीन, पेट्रोल, डीजल आदि ज्वलनशील पदार्थों के परिवहन, भण्डारण, वितरण और उपयोग के स्थानों को अग्नि से निरापद रखना और अग्निशमन की भरपूर व्यवस्था किया जाना.

स्टेशन, निगम मुख्यालय समेत चार जगह रहेगी फायरब्रिगेड

संकरी गलियों में लगेंगे फायर हाइड्रेंट सिस्टम, खास जगह में रहेगी गाड़ियां

सिटी रिपोर्टर | रायपुर

आग लगने के बाद जल्द से जल्द बचाव कार्य शुरू करने को लेकर निगम शहर में जगह-जगह पर फायर

सार्वजनिक में निगम, प्राइवेट में मालिक

निगम अफसरों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्रों में नगर निगम

हर जगह में रहेंगी तीन लाख लीटर की टंकियां

फायर हाइड्रेंट के तहत एक से तीन लाख लीटर क्षमता की टंकियां

01 May 2017

तापमान में कमी गर्मी से मामूली राहत

■ नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.

आसमान में हल्के बादल छाए रहने के कारण हवा नहीं चली और तापमान में आंशिक कमी आई, लेकिन उमस से लोग परेशान रहे. लगातार भीषण गर्मी से गौरेय्या भी दम तोड़ने लगी है. प्रदेश

मौसम

- दुर्ग-बिलासपुर में पारा 42 पार
- बस्तर में कहीं- कहीं पड़ी बौछारें

में रविवार को सर्वाधिक तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस दुर्ग एवं बिलासपुर में दर्ज किया गया. बस्तर में कहीं- कहीं पर बौछारे भी पड़ी.

स्थानीय प्रभाव के चलते आज सुबह से ही आसमान में हल्के बादल छाए रहे. दोपहर बाद बादल घने होने लगे जिस कारण आज दोपहर को गरम

शहरों में तापमान

माना-	41.6	28.2
बिलासपुर	42.6	27.6
पेण्ड्रारोड	41.3	28.3
अंबिकापुर	40.1	23.3
जगदलपुर	38.8	22.0
दुर्ग-	42.4	25.0
राजनांदगांव	40.0	27.2

हवा नहीं चली. लेकिन उमस के चलते पसीने से लोग तर-बतर होते रहे. राजधानी में अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 26.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. जबकि हवा में सुबह 28 फीसदी एवं शाम को 14 फीसदी नमी पाई गई. प्रदेश में केवल बिलासपुर में तापमान डेढ़ डिग्री कम रहा. वहीं पर कल 44 डिग्री तापमान था. इधर तापमान बढ़ने पर स्थानीय प्रभाव से बस्तर में कहीं कहीं पर बूंदाबांदी हुई जिससे तापमान भी एक डिग्री घट गया. इसके चलते वहां पर लोगों को गर्मी से मामूली राहत मिली.

सुबह 11 बजे से चल सकती है लू

के आसपास, फेल हो सकते हैं कूलर

रात में भी दिन जैसी गर्मी

राजधानी में दिन का तापमान 46 डिग्री के आसपास चल रहा है। इस वजह से दिनभर लू के थपेड़े चल रहे हैं। वहीं रात में भी गर्मी से राहत नहीं है। न्यूनतम तापमान 29.9 डिग्री चल रहा है। न्यूनतम तापमान सुबह सूरज उगने से ठीक पहले रिकार्ड किया जाता है।

बरस रहीं हैं अल्ट्रावायलेट किरणें

राजधानी रायपुर में इस समय अधिकतम तापमान बढ़ने के कारण अल्ट्रावायलेट किरणें भी खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इस समय यह 14 के लेवल पर पहुंच गया है। क्लाइमेटोलाजिक एक्सपर्ट के अनुसार यह 10 के लेवल तक नुकसान रहित रहता है। 12 के लेवल पर यह खतरनाक हो जाता है और 14 तक पहुंचते ही यह खतरे के निशान से ऊपर पहुंचता है। तब अल्ट्रावायलेट किरणों से खतरा बढ़ जाता है। इससे स्किन कैंसर होने का खतरा बढ़ गया है। इससे बचने के लिए दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक धूप में निकलने से बचें।

ऐसे बचें गर्मी से

डीहाइड्रेशन : इतनी गर्मी में डीहाइड्रेशन का खतरा सबसे अधिक है। इससे बचने के घर से ठंडा पानी पीकर निकलें। ओआरएस घोल बनाकर साथ में रखें, धूप से बचने की कोशिश करें।

अल्ट्रावायलेट : अल्ट्रावायलेट किरणें सबसे तेज बरस रही हैं। सन्ग्लास और अल्ट्रावायलेटरोधी चीजें जैसे चश्मे और ग्लोब्स पहनकर निकलें। दोपहर 1 से शाम 4 बजे की धूप से बचें।

आगजनी : उपयोग के बाद एलपीजी गैस सिलेंडर और स्टोव के नॉब्स बंद करें। बिजली के उपकरणों को भी बंद रखें। ज्वलनशील पदार्थों को खुला न छोड़ें और उसे बच्चों से दूर रखें।

बासी भोजन : खाद्य पदार्थों को खराब होने से बचाने के लिए ठंडे स्थानों पर रखें। बासी चीजें खाने से बचें। धूप से आते ही फ्रीज का पानी नहीं पिएं। तेज और मसालेदार खाने से बचें।

रायपुर में मौसम विभाग का पहला अलर्ट

पारा 46 डिग्री पहुंचा, आज जा सकता है 47 के पार

हिटी रिपोर्टर | रायपुर

राजधानी रायपुर समेत प्रदेश का बड़ा हिस्सा सोमवार को लू की चपेट में आ गया। रायपुर में दोपहर का तापमान 46 डिग्री के करीब पहुंच गया। बिलासपुर में तापमान 47 डिग्री तक पहुंचा और सुबह से शाम से तक लू चली। मौसम विभाग ने रायपुर के लिए सीजन का पहला अलर्ट जारी कर दिया है। मंगलवार को यहां तापमान 47 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों ने अगले 24 घंटे में प्रदेश के बड़े हिस्से में तेज गर्मी के आसार हैं। राजस्थान की ओर से आ रही गर्म और सूखी हवा की वजह शेष | पेज 7

शहर और गर्मी

रायपुर	45.6 डिग्री
बिलासपुर	47 डिग्री
पेंड्रारोड	43.5 डिग्री
अंबिकापुर	44 डिग्री
दुर्ग	44.6 डिग्री

- तापमान में परिवर्तन सम्बन्धी मौसम पूर्वानुमान की भरपूर जानकारी व सार्वजनिक माध्यमों से प्रचार-प्रसार.

- जन-सामान्य को लू से आपदाओं और सावधानियों की जानकारी दिया जाना.

बादल छंटने के आसार, बढ़ेगा तापमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तीन-चार दिनों से असर दिखा रही द्रोणिका का असर शनिवार से खत्म होने की उम्मीद है और गर्मी का असर तेज होने की संभावना है। मौसम से नमी गायब होने के साथ हवा शुष्क हो जाएगी और पारा पुनः अधिकतम की ओर खिसकने लगेगा। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि शुक्रवार से आसमान साफ होने ▶▶| शेष पेज 18 पर

अधिकतम तापमान

रायपुर	41.7
बिलासपुर	42.4
अंबिकापुर	39.3
दुर्ग	38.6

भारत मौसम विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधि. के प्रयासों से छ.ग. शासन द्वारा लू व गरमी से बचाव के लिए वस्त्र-धारण, खानपान, आवागमन के साधन आदि के चुनाव संबंधी जन संचार माध्यमों से समुचित प्रचार-प्रसार.

उपसंहार

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा प्रतिदिन उष्ण लहर संबंधी विशेष चेतावनी विभिन्न माध्यमों से जारी किया जाता है. यद्यपि आम जनता द्वारा भी गरमी में लू से बचने के लिए शीतल पेय, खान-पान, वस्त्र-धारण, प्रशीतकों का उपयोग आदि प्रयास किये जाते हैं, तथापि शासकीय-अशासकीय संगठनों, स्थानीय सिविक बाडी, स्वशासी संगठनों, जन भागीदारी आदि किसी भी माध्यम से लू के थपेडों से बचने के उपरोक्त उपायों पर मानव बसाहट के अंतिम छोर तक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके तो अवश्य ही यह प्रस्तुतीकरण न केवल इस संगोष्ठी की सार्थकता वरन् देश के विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा.

जमीन जल चुकी है आसमान बाकी है,
सूखे कुँए तुम्हारा इम्तहान बाकी है,
बरस जाना इस बार वक़्त पर हे मेघा,
किसी का मकान गिरवी है, किसी का लगान
बाकी है !
12:08

लू से सावधान रहें,
स्वस्थ रहें !
धन्यवाद !
Have a nice day